

3. इय्, इच्छति **DRATUP.** 28, 59. P. 7, 3, 77. इच्छत्; इयष, इययुत्, इयुम्; इयिष्यति; इयिता und इष्टा P. 7, 2, 48. Vop. 8, 79, 13, 4. इयिषुम्; med. (ved. und ep. P. 3, 1, 85, K. Ar., Sch.) इच्छते; इषे, इषाते; inf. इष्टुम् und इयितुम्; इयित्वा Vop. 26, 207; partic. इष्ट (s. d.) 1) (sich nach Etwas in Bewegung setzen) suchen, aufsuchen: अस्मे वत्सं परि पत्तं नाविन्द्रिच्छत्: RV. 4, 72, 2. आयमग्य सुकृतं प्रातरिच्छन् 128, 3. यमैच्छामाविदाम् तम् AV. 8, 5, 11. पूषातमन्यमरणं चिदिच्छत् RV. 10, 117, 4. स ना पवसामिच्छत् 7, 102, 1. विन्त्विच्छत् 104, 18. अन्धमस्मदिच्छत् कं चित् AV. 6, 20, 1. 10, 1, 7. 14, 2, 19. गातुमिच्छति RV. 1, 80, 6. 112, 16. 3, 1, 2 und oft. कवीरिच्छामि संदेशं 3, 38, 1. 1, 25, 16. 161, 14. 164, 27. 165, 1. 108, 1. 5. यज्ञस्य किं चिदिषियामः प्रज्ञातैः AIR. Br. 2, 1, 13. इष्टं च वित्तं चेति । इषियुरिव वा एतद्यज्ञं तमविदन् CAT. Br. 1, 9, 2, 20. 4, 3, 20, 1. 14, 4, 2, 3. med.: अन्धमिच्छस्व सुभगे पतिं मत् RV. 10, 10, 10. स्वयं गातुं त्वं इच्छमानम् 4, 18, 10. युधेदीपित्वमिच्छसे 8, 21, 13. सुनामा त्रिषामिच्छताम् AV. 8, 6, 4. In den Redensarten a) इच्छति मनसा und ähnlichen: haben wollen, herbeitwünschen, erwünschen: यमैच्छाम मनसा सोऽयमागात् RV. 10, 53, 2. इच्छामीदृदा मनसा चिदिन्द्रम् 6, 28, 5. पणोरिच्छ हृदि प्रियम् 53, 6. अन्तरिच्छति तं जनें हृदं परा मनीषया 8, 61, 3. AV. 11, 9, 8. — b) इच्छति मनः Jmd zu gewinnen suchen: तस्य वा त्वं मन इच्छा स वा त्वं RV. 10, 10, 14. मूर्तां मन इच्छत् AV. 4, 15, 15. — 2) zu gewinnen —, sich zu verschaffen suchen; erwünschen, wünschen; haben wollen, verlangen; belieben, Willens sein, im Begriff sein, im Sinne haben; act. mit acc.: सखायः क्रतुमिच्छत् RV. 8, 59, 13. युक्ता ऽवसातारमिच्छात् 10, 27, 9. कदा सूनः पितरं ज्ञात इच्छात् 93, 12. इच्छति वा सोम्यासः सखायः 3, 30, 1. ब्रह्मा सुन्वत्तमिच्छति 9, 112, 1. AV. 11, 5, 15. AIR. Br. 8, 15. त एतस्य प्रार्थयित्तिमिच्छन् CAT. Br. 3, 4, 3, 1. इषं कृणुष्व यादशमिच्छसि 13, 2, 2, 11. 3, 9, 3, 15. 6, 1, 1, 1. 8, 5, 2, 1. एतद्वैतैः प्रजापतिः पशुभिः कर्मपेष 6, 2, 2, 20. विद्वांसं ब्राह्मणामिच्छन् KAUC. 94. इतरतरस्मिन्वापक्वमिच्छन् K. Ar. Cr. 7, 5, 11. CAT. Br. 14, 4, 2, 4. धर्ममिच्छना M. 2, 159. 3, 79. 5, 61. 139. 149. 6, 37. 84. 7, 101. निरुह्यमानं प्रश्नं च नेच्छन् nicht beliebt, nicht annimmt, zurückweist 8, 55. मूत्रेण मौष्यमिच्छन् (erwähle) तु नत्रिषं दण्डमेव वा 384. 10, 113. 11, 160. 12, 36. N. 4, 5. R. 1, 1, 34. 36. 34, 43. HIT. I, 29. 148. 17, 6. 18, 2. 38, 17. ÇĀK. 28, 10. 56, 19. RAGH. 12, 6. VID. 70. यदि — कौरव्यान् जीवमानानिच्छेच्छसि wenn du wünschest, dass die K. am Leben bleiben MBH. 3, 345. N. 17, 28. तदहं त्वया प्रत्यभिज्ञातमात्मानमिच्छामि daher wünsche ich, dass du mich wieder anerkennst ÇĀK. Cu. 158, 6. इच्छामि कथिताम् ich wünsche, dass ihr sie mir anzeigt R. 6, 83, 10. भतीरं (als Gatten) मामनिच्छतीम् 5, 24, 8. mit dem acc. cum infia.: यदि — मां च जीवितुमिच्छसि SĀV. 5, 100. mit acc. und abl. oder loc. Etwas von Jmd oder Etwas zu erhalten suchen, Etwas von Etwas erwarten, Etwas in Etwas suchen: राजात्वेवासियाऽभ्यः सीदन्निच्छेद्धं नृया JĀGĀ. 1, 130. केचिद्वैवात्स्वभावाद्वा कास्तात्पुरुषकारतः । संयोगे केचिदिच्छति फलं कुशलबुद्धयः ॥ 349. vgl. weiter unten u. med. — mit dem inf. P. 3, 3, 158. अष्टमिच्छन्निमाः प्रजाः M. 1, 25. 4, 28. न त्वेव तु वृथा कृतुमिच्छेत्कदां च न 5, 37, 52. 8, 154. 10, 106. 12, 37. N. 3, 6, 20. 9, 32. 15, 11. 16, 34. 19, 2. 20, 25. R. 1, 1, 7. 21. DAÇ. 2, 25. VIÇV. 8, 21. ÇĀK. 17. 14, 20. 16, 12. 17, 3. 22, 14. 81, 15. 105, 15. HIT. 23, 19. RAGH. 2, 30. 47. VID. 105. 234. इषेप्रातुं तदा मुनिम् MBH. 1, 6762. 3255. N. 19, 21. 26, 16. RAGH. 14, 28. KATHĀS.

15, 87. Vid. 104. 235. इयुः MBH. 3, 524. R. 2, 66, 15. RAGH. 9, 60. mit dem potent. oder imperat. P. 3, 3, 157. 159. Vop. 23, 21. इच्छामि भुञ्जीति (oder भुञ्जा) भवान्, भुञ्जीयेतीच्छति P. 3, 3, 157. 159, Sch. शिष्याः पठन्तितीच्छति गर्तुः 3, 1, 7, Sch. अयं यामिच्छेन्न गर्भं दधीतेति von welcher er wünscht, dass sie nicht empfangen möge CAT. Br. 14, 9, 4, 8. इच्छति oder इच्छेत् er wünscht, er wünschte P. 3, 3, 160. ohne Ergänzung: wollen, geneigt sein, einverstanden sein KĀTJ. ÇR. 2, 8, 9. 5, 1, 2. 6, 7, 11. प्रुत्को दद्यात्सेवमानः समामिच्छेत्पिता यदि M. 8, 366. 378. 412. 9, 328. KATHĀS. 4, 68 (अनिच्छन् wider Willen). — med.: इन्द्रश्चिकाप न सखायमीषे RV. 10, 89, 3. इच्छत् रेतो मिथस्तनुषु 1, 68, 9 (5). आयन्नापो ऽयं नमिच्छमानाः 3, 23, 7. प्रजापतेत्यं वलमिच्छमानः 1, 179, 6. आय्यं 3, 2, 6. अयं: 1, 110, 5. 6, 58, 3. धनम् 10, 34, 10. द्विविषाम् 43, 11. 81, 1. 4, 41, 9. धीमिर्विप्राः प्रमत्तिमिच्छमानाः 7, 93, 3. 3, 18, 3. आचार्यो ब्रह्मचर्येण ब्रह्मचारिणामिच्छते AV. 11, 5, 17. 19, 26, 2. यदिमा प्रजा अशनमिच्छते CAT. Br. 1, 6, 3, 17. इच्छामै BRH. ĀR. Up. 6, 2, 7. इच्छसे चेन्म प्रियम् MBH. 14, 153. स्वतुमिच्छे 3, 16751. ज्ञातुमिच्छामहे 1, 1040. 270. 2, 267. 3, 8468. 12668. R. 1, 39, 10. 3, 18, 7. BRAHMA-P. in LA. 49, 13. इच्छेथाः N. 14, 23. Mit acc. der Sache und loc. der Person: von Jmd Etwas begehren (eig. in Jmd Etwas suchen), Jmd um Etwas angehen: अस्मिन्ननुशासनमीषे AIR. Br. 6, 30. अस्यामेवेच्छामहा इति तथेति तस्यामैच्छत् । सैगानब्रवीत्प्रातः वः प्रतिवक्तास्मीति तस्मात्त्रियः पत्याविच्छते तस्माद् द्यनुरात्रं पत्याविच्छते 3, 22. तस्यामपित्वमीषाते CAT. Br. 1, 8, 4, 8. देवेषु यज्ञे भागमीषिरे 6, 1, 1. यत्पिता पुत्रेऽधिच्छते 8, 4, 1, 4. 1, 5, 1, 26. 4, 1, 2, 6. 3, 11. 14, 4, 1, 27. 2, 27. — 3) anerkennen, ansehen für: श्रेष्ठाम्नीयमिच्छति मासमायाठपूर्वजम् den dem Ā. vorangehenden Monat sieht man für den G. j. an TRIK. 1, 1, 111. Vgl. 4, c. — 4) pass. a) gewünscht —, gern gesehen werden: सर्वमात्मार्थमिष्यते MBH. 1, 6145. 5144. 6184. नृपसंश्रय इष्यते वृषेः PAÑKĀT. I, 27. तज्ज्ञात्वा सतां संगतमिष्यते HIT. 24, 18. न हि चूडामणिस्थाने पाडुका कैशिरिष्यते IV, 11. अतः समीपे परिषेत्तुरिष्यते प्रमदा स्ववन्दुभिः ÇĀK. 114. — b) verlangt —, gefordert werden, vorgeschrieben sein: कृतोपनयनस्यास्य व्रतादेशनमिष्यते । ब्रह्मणो प्रकृषं चैव M. 2, 173. कस्तंश्चेद्दैनमिष्यते 8, 322. अग्रमधस्य चैकस्य वैतसो भाग इष्यते R. 1, 13, 42. — c) gebilligt —, anerkannt —, angenommen —, für Etwas angesehen werden, gelten: अच्छन्ना मायाया च मृगाणां वध इष्यते MBH. 1, 4570. निरुक्तस्य पशोर्यज्ञे स्वर्गप्राप्तियदीष्यते PHAB. 28, 10. त्रिरात्रं दशरात्रं वा शावमाशौचमिष्यते JĀGĀ. 3, 19. निर्वृतचूडकानां तु त्रिरात्राच्छुद्धिरिष्यते M. 5, 67. 71. भर्तुरेव तदिष्यते das wird als dem Gatten angehörend angesehen 9, 196. 197. साकारो निःस्पृहो वाग्मी u. s. w. राजपुरुष इष्यते PAÑKĀT. III, 84. अपकारिषु यः साधुः स साधुः साद्विरिष्यते I, 277. SĀMKHĀK. 28. 44. BHĀSHĀP. 84. AMṚTAV. Up. in Ind. St. 2, 60. 61. सनत्तान सनिष्यते nach einem desider. gilt kein desider.-Suffix P. 3, 1, 7, K. Ar. चिता काष्ठमठी चैत्यं चिताचूडामिष्यते । चित्तं च (lauter Synonyme) TRIK. 2, 8, 62. जम्भो दत्ते ऽपि चेष्यते ġambha gilt auch für Zahn (bedeutet auch Zahn) 3, 3, 286. 64. mit act.-Endung ohne dass das Versmaass es erforderte: यदि काले तु दोषो ऽस्ति यदि तत्रापि नेष्यति MBH. 13, 59. — Vgl. इच्छा, इच्छुः.

— अथि Jmd angehen, auffordern, ersuchen: अधीष्ट P. 5, 1, 80. मासमधीष्टो मासिको ऽध्यापकः Sch. als n. nom. act. P. 3, 3, 161. 166. अधीष्टः (sic) सत्कारपूर्वको व्यापारः 161, Sch. — Vgl. अध्येषण.